गुड़ी पड़वा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में लोगों ने हिंदू नववर्ष की शुरुआत के प्रतीक **गुड़ी पड़वा** के शुभ अवसर को खुशी और धार्मिक उत्साह के साथ मनाया।

मुख्य बिंदु:

- नौ दिवसीय **चैत्र शुक्ल प्रतिपदा** को भी श्रद्धालु निकले:
- यह **विक्रम संवत के नववर्ष** की शुरुआत का प्रतीक है जिसे **वैदिक [हिंदू] कैलेंडर** के रूप में भी जाना जाता है।
- विक्रम संवत् उस दिन पर आधारित है जब सम्राट विक्रमादित्य ने शकों को हराया, उज्जैन पर आक्रमण किया और एक नए युग का आह्वान किया।
- उनकी देखरेख में, खगोलविदों ने **चंद्र-सौर प्रणाली** पर आधारित एक नया कैलेंडर बनाया जिसका पालन आज भी भारत के उत्तरी क्षेत्रों में किया जाता है।
- यह **चैत्र (हिंदू कैलेंडर का पहला महीना)** में चंद्रमा के बढ़ते चरण (जिसमें चंद्रमा का दृश्य भाग हर रात बड़ा होता जा रहा है) के दौरान पहला दिन है।
- यह **चैत्र (हिंदू कैलेंडर का प्रथम महीना)** में चंद्रमा के बढ़ते चरण/शुक्ल पक्ष (जिसमें चंद्रमा का दृश्य भाग हर रात बड़ा होता जा रहा है) के दौरान प्रथम दिन है।

???? ???? ?? ?????

- **तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक** के लोग नववर्ष को **उगादी** के रूप में मनाते हैं जबकि **महाराष्ट्र तथा गोवा** इस दिन का जश्न **गुड़ी पड़वा** के साथ मनाते हैं।
- दोनों त्योहारों/समारोहों में आम प्रथा है कि उत्सव में **भोजन मीठे और कड़वे मिश्रण** से तैयार किया जाता है।
- दक्षिण में **बेवु-बेला** नामक गुड़ (मीठा) और नीम (कड़वा) परोसा जाता है, जो यह दर्शाता है कि जीवन सुख तथा दुख का मिश्रण है।
- **गुड़ी महाराष्ट्र** के घरों में तैयार की जाने वाली एक गुड़िया है।
  - गुड़ी बनाने के लिये बाँस की छड़ी को हरे या लाल ब्रोकेड से सजाया जाता है। इस गुड़ी को प्रमुख रूप से घर में या खिड़की/दरवाज़े के बाहर सभी को दिखाने के लिये से रखा जाता है।
- **उगादि** के लिये घरों में दरवाज़े **आम के पत्तों** से सजाए जाते हैं, जिन्हें **कन्नड़ में तोरणालु या तोरण** कहा जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gudi-padwa